इसमें कमी की प्रवृत्ति शुरू हुई और जून के अन्त में घाटा पिछले वर्ष की समतुल्य अवधि की तुलना में पर्याप्त रूप से कम था ।

(ग) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

(घ) घाटे को नियंत्रित रखने के लिए केन्द्र सरकार की प्राप्तियां और व्यय का लगातार अनुवीक्षण किया जाता है ।

अप्रयुक्त ऋण पर ब्याज के रूप में देयतायें

3782. **श्री विनोद शर्मा :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 13 जून, 1992 के "फाइनेन्शियल एक्सप्रेस" में "अनयुटिलाइज्ड वर्ल्ड बैंक लोन एट डालर 11.5 बिलियन" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या यह सच है कि विश्व की अनेक संस्थाओं द्वारा भारत को दिया गया ऋण अप्रयुक्त पड़ा हुआ है ;

(ग) यदि हां, तो मार्च, 1992 में अप्रयुक्त ऋण की राशि कितनी थी तथा क्या सरकार इस पर ब्याज का भुगतान भी कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1991-92 में ब्याज की कितनी राशि का भुगतान किया गया ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : (क) जी, हां ।

(ख) इसका कुछ अंश अप्रयुक्त पड़ा है ।

(ग) 31 मार्च, 1992 को सरकारी खाते में ऋण की अप्रयुक्त कुल राशि 73045 करोड़ रुपए थी । सरकार ऋण की अप्रयुक्त राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं कर रही है ।

(घ) यह प्रश्न नहीं उठता ।

Violation of Rules by M/s Fatrgrowth Financial Services Limited

3783. SHRI V. NARAYANASAMY Will the Minister of FINANCE be plea sed to state:

(a) whether cases have been filed again; M/s. Fairgrowth Financial Services Ltd for violating the rules and making illegi profits;

(b) what is the number of banks the have lent money to FFSL so far and whs is the quantum; and

(c) whether it is a fact that a CBI cas was filed against the founder of FFSL fc violations and if so, what is the ou' come of it?

THE MINISTER OF STATE IN TH MINISTRY OF FINANCE (SHRI DAI BIR SINGH): (a) to (c) Information is be ing collected and to the extent availablt will be laid on the Table of the House

Dues outsanding against M/s. Hmdnsfa Lever Ltd.

3784. MAULANA OBAIDULLA KHAN AZMI: Will the Minister c FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a larg arrears of Income Tax, Sales Tax, E cise Duty etc. are outstanding again M/s Hindustan Lever Ltd. and mar other units under it;

(b) if so, what are the details therer and the reasons therefor; and

(c) what steps Government propose 1 take to recover the various dues fro: M/s Hindustan Lever Ltd. and off units under it?

THE MINISTER OF STATE IN The MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) an (b) Yes, Sir.

INCOME TAX: As on 30.6.1992 a sui of Rs. 83.72 lakhs pertaining to A.I 82-83 is outstanding against the con pany.